Vol. Issue: 5
Issue Date: 6th January 2016
For internal circulation only.

NEWSLETTER

Crazygreen's UMEED

Together we can !

CELEBRATING 1 YEAR UMEED

Editorial Column

I would like to congratulate team crazygreen for the completion of 1 year of UMEED-a quaterly newsletter of crazygreen. Through this edition you will experience that crazygreen is not just a social group but a laboratory of new successful social experiments for the betterment of the society followed by a large number of volunteers. I wish you all happy reading.

Anurag Seth

उड़ान परिवार

आज दोस्तों तुमको में अपनी दास्तान सुनाता हूँ।
उड़ान परिवार क्या है यारो तुमको आज बताता हूँ।
बाते करते हंसी ठिठोली काम नित नये करते है।
उड़ान परिवार में हर कोई मौला फिर भी साथ हम चलतें है।
ना मजहब की दीवार है यारो ना दुश्मन कोई है।
अपनी तो हर दिन दिवाली और बच्चो की होई है।
काम करते इतने सारे फिर भी हम नहीं थकते है।
अब तो बक–बक सुनकर अभिनव की दिन हमारे कटते है।
फेसबुक की दुनिया से उड़ान को नए पंख मिले है।
उड़ान परिवार में अब तो यारों पूरी दुनिया से लोग जुड़ें है।
ये रिश्तों का सागर भी है और बच्चों की मुस्कान यारों।
छोटी–छोटी खुशियों भरा ऐसा अपना उड़ान है यारों।

सुनील कुमार

मुझे उड़ान से जुड़े हुए कुछ समय ही व्यतीत हुआ हैं और इससे मुझे बहुत कुछ सिखने को मिला। जब मैंने पहली बार अजय सिंघल की लिखी पुस्तक 'सृजन' पढ़ी तो मेरा मन द्रवित हो गया की जब पहली बार उन्होंने इस बस्ती के बच्चों को छुआ हो उनके हाथ काले हो गए थे लेकिन अब वही बच्चे साफ सुथरे और सुन्दर लगते है। उनकी कला देखकर मन बहुत खुश होता है। चाहे वो उनका डांस हो या सिलाई, उनकी कई गतिविधियों में हिस्सा लिया जो मुझे बहुत भा गया। गरीब बच्ची भूमिका को आखो की रौशनी मिली। भगवान् उड़ान व क्रेजीग्रीन टीम को बहुत उचाईयो तक पहुचाएँ। वह सब मिलकर शहर व देश की सेवा करते रहे।

रीमा सेठ

Ragpicker children lifted their steps towards "Udaan School" and charged their minds with education. I wish for their success.

Sh. Harsh Chander Bhateja

Crazygreen

Environment, Health & Education

Crazygreen is running a school for ragpickers since 5 years. In just few years udaan school has changed the life style of nearly 2000 people. crazygreen has set the example that small things can bring a big change in the society. Following is the nut shell of the work done by crazygreen over 3 months.

- Dental Check up of all kids at udaan by lions club.
- Rotary club donated 50 school bags to udaan kids.
- Janak restaurant provide food to udaan kids every week.
- Officers club donated 6 sewing machine to udaan skill development center.
- Rangoli competition at udaan brought a new wave of energy.
- Diwali celebration at udaan with all members and supporters.
- Awareness camps on Smart City were organized by Crazygreen volunteer.
- Crazygreen installed 100 tree guards with the support of nagar nigam.
- Organised Saharanpur Book Fair.
- Book Exchange Scheme and scheme like har hath me kitab.
- Posters installed on Smart City at Nagar nigam office.
- Participated and volunteered in eye-check up camp in chilkana.
- Rotaract Club organised motivational talk for students of udaan.
- CL Saini (writer of devo ke dev mahadev and many more tv shows) visited udaan.

Divya Bajaj

What People Talk...

Gaurav Arora, a student at dav college Chandigarh. shared his experiences about volunteering with Udaan and Crazygreen.

My City... My Home...

After attending college at Chandigarh, he participated in social work and always wondered about how he can contribute to his own city Saharanpur. After a suggestion from his mother, he visited a slum school Udaan.

Inspired and Inspiring...

The very first meeting of Gaurav with Ajay Singhal changed his view towards the society. His approach towards society made him confident that he was at the right place. The atmosphere at Udaan is very friendly and beyond age bars. New ideas are welcomed and discussed openly.

Be the Change...

He has accompanied events like plantation, different Udaan activities and campaigns like smart city, book fair etc and stated that participation with Crazygreen has made me realize that nothing can stop a society to flourish if places like Udaan survive.

He concluded by paying gratitude to all the volunteers for their cooperation and guidance and helping a newcomer to learn frequently.

क्रेजीग्रीन- नए कार्यों की प्रयोगशाला

क्रेजीग्रीन शिक्षा, पर्यावरण एवं स्वास्थय पर काम करता एक संगठन मात्र नही है। पिछले नौ वर्षो मे इसके स्वय सेवको ने कार्य करने की परिभाषा ही बदल दी है। किसी कार्य को करने के सबसे बेहतर परिणाम पाने की चाह ने सिर्फ काम का स्वरूप ही नही बदला बल्कि उस कार्य के परिणाम को कई गुणित फल देने वाला बना दिया। ऐसा लगता है की क्रेजीग्रीन एक सामाजिक संगठन न होकर नए प्रयोग करती एक सामाजिक प्रयोगशाला है। पिछले नौ वर्षो मे किए गऐ ऐसे प्रयोगो का विवरण निम्न है

1, पार्को मे बडे पेडों का वृक्षारोपण

शहर के पार्को मे विस्तृत सर्वे करने के साथ ही लगभग 50 पार्को मे दो हजार से अधिक पेडो को लगाना एक नयी पहल थी तो लगाऐ गऐ पेडो की उँचाई 6 फुट से 15 फुट तक का होना बिल्कुल नवीन प्रयोग था। इस उँचाई के पेड लगाने से उनके जीवित रहने की संभावना 100 प्रतिशत तक बढ़ गयी। हमारी इस कार्य शैली का अनुसरण अन्य संस्थाऐं भी कर रही है।

2, कबाड़ बीनते बच्चों का सांयकालीन स्कूल

पाँच वर्ष पूर्व क्रेजीग्रीन ने कबाड़ बीनते बच्चों की दुर्दशा देख उनके लिए एक सांयकालीन स्कूल उडान की शुरूआत की ताकि वो अपना काम करते-करते पढना लिखना भी सीखे और स्वयं निर्णय ले कि उनके लिये क्या ठीक है। सिर्फ 5 साल मे इस बस्ती के लगभग 100 बच्चे सरकारी/प्राइवेट स्कूलो मे जाने लगे है। सिर्फ एक प्रयास ने इस बस्ती मे रहने वाले 2000 लोगो का जीवन बदल दिया।

3, उडान चैरिटेबल डिस्पेंसरी

पूरे देश मे विभिन्न संगठनो द्वारा चैरिटेबल डिस्पैंसरी चलायी जा रही है लेकिन उड़ान चैरिटेबल डिस्पैंसरी को चलाने वाले लोग बिल्कुल साधारण लोग है। हर माह 500 रूपये देने वाले तीस लोगों का समूह इस डिस्पैंसरी की सहायता से हर माह 1200 से अधिक लोगों को मात्र दस रूपये रोज में इलाज उपलब्ध करा रहा है

4, पुस्तक मेला मे पुस्तक विनिमय योजना

सहारनपुर मे लगाये गये पुस्तक मेले मे क्रेजीग्रीन द्वारा एक नयी पहल की गयी। क्रेजीग्रीन थिंकटैंक के दिमाग की उपज पुस्तक विनिमय योजना का स्टॉल सुबह नौ बजे से मेला खत्म होने के बाद तक गुलजार रहा। एक अनुमान के अनुसार इस स्टॉल से प्रत्येक दिन 700-800 बच्चों ने पुरानी पुस्तकों के बदले अपनी जरूरत की पुस्तके बदली। बिना किसी पैसे के लेन देन के अपनी पुरानी किताबो के लगभग मूल्य के बराबर किताबे बदलने की छूट थी। हालाँकि किताबों की कीमत मे बहुत अधिक अन्तर होने के बाद भी किताबें बदल दी गयी। यह योजना पुरानी बेकार पडी किताबों को इस्तेमाल लायक बनाने का बहुत बडा प्रयास था। जिलाधिकारी पवन कुमार जी ने इस स्टॉल को पुस्तक मेले का सबसे सुन्दर स्टॉल बताया।

5, हर हाथ मे किताब

पुस्तक मेला समिति के समर्थन से क्रेजीग्रीन ने पर्यावरण जागरूकता हेतु अदभुत योजना का आयोजन किया। मेले मे आने वाले हर व्यक्ति के हाथ मे किताब हो ऐसी सोच के साथ हर हाथ मे किताब कैम्पेन लाँच किया गया। चौबीस पेज की किताब मे हर पेज पर पर्यावरण जागरूकता हेतु एक लेख था। इस कैम्पेन का मकसद था कि मेले से बाहर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के हाथ मे कम से कम एक किताब हो चाहे वह व्यक्ति कोई किताब खरीदे या न खरीदे।

6, बच्चों की अंधता निवारण

बच्चो में मोतियाबिंद का होना बच्चों की अंधता का एक बडा कारण है। जागरूकता की कमी के कारण गरीब परिवारों मे ऐसे बच्चे पूरी जिदंगी एक अंधा जीवन गुजारने को मजबूर हो जाते है। आश्रय फांउडेशन और आई क्यू के साथ मिलकर क्रेजीग्रीन अभी तक सात ऐसे बच्चों की आँखों मे रौशनी दे चुका है। इन बच्चों की आँखों मे रोशनी आ जाना एक चमत्कार की तरह है। आप भी किसी अंधे बच्चे के मिलने पर हमसे सम्पर्क कर सकते है।

सहारनपुर पुस्तक मेला - साहित्य उत्सव

सहारनपुर पुस्तक मेला बेहद ही सफल अंदाज में सहारनपुर वासियों मे मन में अपनी छाप छोड़ गया। पुस्तक मेले का उददेश्य सहारनपुर नागरिकों को साहित्य से जोड़ना और बच्चो को टी.वी. की बजाय किताबों से जोड़ना था। पुस्तक मेले की सफलता ने सिद्ध किया कि अगर कोशिश की जाऐ तो कुछ भी किया जा सकता है। अरिमर्दन सिंह गौर जी की अथक मेहनत और क्रेजीग्रीन के चालीस से अधिक स्वयं सेवकों की प्रतिदिन 12 घंटो की मेहनत के अलावा जिला प्रशासन, नगर निगम, सृजन प्रकाशन और शहर की विभिन्न संस्थाओ से जुड़े लोगो का साथ मिलकर काम करना एक बड़ी उपलब्धि रही। एक माह से क्रेज़ीग्रीन के स्वयं सेवक प्रतिदिन सुबह विभिन्न स्कूलों का दौरा कर रहे थे। स्कूल के बच्चों को डिस्काउंट कूपन के जरिये मेले में बुलाने की तैयारी थी। इसी बीच शहर से गुजरने वाली साइंस एक्सप्रेस में पूरे दो दिन तक मेले का प्रचार किया गया और लगभग 10 हजार बच्चों को मेले की सूचना दी गयी। पहले दिन आयुक्त महोदय श्री एम. पी. अग्रवाल द्वारा रिबन काटने के बाद हार्ले डेविडसन बाइक की रैली ने जो समा बाँधा वो लगभग 8 दिन तक बदस्तूर जारी रहा। चंडीगढ़ और यमुना नगर से हार्ले डेविडसन बाइक चलाने वाले स्वयं सेवको का पूरा समूह जब शहर की सडकों पर निकला तो शहर की सबसे बड़ी घटना का हिस्सा बनने के लिए शहर उमड़ पड़ा। 3 दिसंबर से पहले ही बहुत से तनाव के क्षण, लोगो के अहम् की समस्याऐं, चुनाव के कारण बार-बार तारिखों का बदलना चलता रहा। एक अकेले इंसान श्री अरिमर्दन सिंह गौर जी का ही जज्बा था कि इन सबके बाद भी पुस्तक मेला इस स्वरूप में आ पाया। इस मेले की जो सबसे अधिक चर्चित और व्यवस्तिथ घटनाऐं थी उन्होंने ही इस मेले को एक बहुत बड़ा स्वरूप दिया। विकास शर्मा द्वारा आयोजित लकड़ी नक्काशी, मिटटी के बर्तन बनाता कुम्हार शायद सबसे चर्चित घटनाऐं रहे। कुम्हार का जादू ऐसा था की जितनी देर कुम्हार मेले में रहा बच्चे उसको घेरे रहे। रंजना नैब की रंगारंग प्रस्तुति शानदार तरीके से व्यवस्तिथ थी और उन्होंने सिद्ध किया कि सहारनपुर क्या आस-पास के जिलों में भी उनसे बेहतर कोई नहीं है। लगातार दो दिन तक कार्यक्रम प्रस्तुत करना और एक-एक चीज का खुद से प्रबंध करना काबिले तारीफ था। क्रेज़ीग्रीन की सहायता से पुस्तक मेला समिति का कैम्पेन ''हर हाथ में किताब'' बहुत बड़ी उपलब्धि थी क्यूंकि यह ऐसा प्रयास था जिसने मेले में आने वाले हर गरीब और अमीर से अमीर आदमी के हाथ में किताब पकड़ा दी। किताब भी ऐसी जो पर्यावरण जागरूकता की नयी कहानी को समेटे है। पुस्तक मेले में मुशायरा, कवि सम्मेलन और ईदगाह नाटक के छोटे बच्चे अलग-अलग रंग भर रहे थे। प्रतिष्ठा शर्मा के नृत्य में लोग बैठे रह गए। चमत्कारिक नृत्य संयोजन को शहर के लोगो ने महसूस किया और शायद ये भी जाना कि कैसे जूनून छोटे शहरों के लोगो को विश्व पटल पर चमकाने की शक्ति रखता है। जिलाधिकारी श्री पवन कुमार जी की सक्रियता ने पुस्तकों की महत्ता बच्चो को समझाने में बड़ी मदद की। उन्होने बच्चों के साथ फोटो खिंचवाई, ऑटोग्राफ दिए और पुस्तकों के लाभ समझाए। गौरया बचाने के लिए की गयी वर्कशॉप एक बिलकुल नयी पहल थी। देहरादून से आये विशेषज्ञों ने बच्चों को बांधे रखा। बच्चों को इनाम में गौरया के घोंसले दिए गए इस कारण इस वर्कशॉप में नया रंग भर गया। इसके अतिरिक्त मोहम्मद फंज़ल की कार्टून निर्माण पर वर्कशॉप कमाल की थी। उनका गार्बेज बिन बच्चों के दिमाग पर छा गया। उनकी कार्यशाला के बाद कम से कम एक घंटे बच्चों ने उनके ऑटोग्राफ लिए और उनके साथ फोटो खिचवाई। बच्चों की पत्रिका 'अपूर्व उड़ान' की शुरूआत इसी पुस्तक मेले में हुई। भविष्य इस पुस्तक की सफलता को निश्चित करेगा। इस मेले में फोटोग्राफी, पत्रकारिता पर कार्यशालाएँ हुई। रोटेक्ट क्लब द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता हुई, क्विज प्रतियोगिता हुई और क्रेजीग्रीन द्वारा लगातार स्लोगन प्रतियोगितायें, कहानी प्रतियोगितायें आयेजित की गयी। हरप्रीत की गिटार पर प्रस्तुति जबरदस्त थी। उनकी जादुई आवाज़ और बिजली की तरह गिटार पर चलती उंगलियों ने लोगो को देर रात तक उठने नहीं दिया। क्रेजीग्रीन की अनोखी पुस्तक विनिमय योजना ने किसी भी पुस्तक मेले के लिए नया मील का पत्थर लगाया। पुरानी पुस्तकों की अदला-बदली का कम से कम 5 हजार बच्चों ने फायदा उठाया। यह स्टाल मेले के सर्वाधिक भीड़ वाले स्टाल में तब्दील हो गया। कितने ही लोगों को अपनी पढ़ी हुई पुरानी किताबों के बदले उपयोगी किताबें मिल गयी। हमारे पास इतने अधिक फोन आये कि हम बाद मे लोगो के घरों से किताबे ही नहीं उठा पाए। पुरानी पुस्तकों के विक्रेताओं ने हमें पुस्तके बेचने का लालच दिया और वो कई दिन तक मेले मे घूमते रहे। स्कूलों द्वारा दिया दिया गया स्पेरिमेंन की हमने एक हजार से अधिक किताबे दस दस रूपरे में बेच दी। इस स्टाल ने यह भी साबित किया कि हम अपने पढने वाले बच्चों को किताबें ही उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। और एक तरफ वही किताबे लोगो के घरों में धूल फांक रही है। मेले में हर तरफ भागते दौड़ते पीली टी शर्ट पहने क्रेजीग्रीन के स्वयं सेवको ने सहारनपुर जैसे शहर में दिल्ली जैसा समा बाँध दिया। सी.सी.डी, डोमिनोज़ और मेले का फूड कोर्ट शानदार था। प्रकाशकों को सहारनपुर के लोगो ने खुश कर दिया। और उन्होंने कहा कि देश के एक अनजान शहर को आपने पुस्तक प्रेमियों के नक्शे पर ला दिया। एक सफल आयोजन की बधाई।

सृष्टि जैन

निवेदन

उड़ान के निकट स्थित मन्दिर और गुरूद्वारे के जिर्णोद्धार हेतु सहयोग के लिए

समी को जीने का अधिकार देते सनातन धर्म और
कोई भूखा ना रहे, की कोशिश को पूरा करते सिख धर्म
के पूजा स्थल के जिर्णोद्धार के सहयोग के लिए सम्पर्क करे।

श्री अजय सिंघल - 9634200601 श्री ललित सनी - 9411457468 श्री सार्थक धमीजा - 8755993666 श्री अभिनव कन्नोजया - 9837996960

उड़ान से निकलेगे तंदरूस्त होनहार

भारत का बच्चा कुपोषित है। सर्वे कहता है दुनिया के सर्वाधिक कुपोषित बच्चे भारत मे रहते हैं। उड़ान के बच्चों की स्थिति भी भारत की तरह है। ज्यादातर बच्चे कुपोषित हैं। जूडो मे सात बच्चों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए होने पर सात मे से पाँच बच्चे अपनी उम्र से कम वजन के होने के कारण प्रतियोगिता मे भाग नही ले पाऐ। पिछले चार वर्षो से सप्ताह मे एक बार बिस्किट और फल खाते उड़ान के बच्चों को अचानक से जनक रैस्टोरैन्ट के स्वामी श्री कमल सचदेवा से हृष्ट–पुष्ट सौगात मिली। कमल सचदेवा जी ने सप्ताह मे एक दिन सभी बड़े बच्चों (100बच्चे) के लिए सम्पूर्ण भोजन की व्यवस्था की। पिछले दो माह से प्रत्येक रविवार 100 से अधिक बच्चे दाल, सब्जी, रोटी, चावल का सम्पूर्ण आहार ले रहे हैं। बच्चे खुद कहने लगे हैं कि ''सर अब हमारे गाल गोल–मटोल हो जाऐगें'' बच्चों का खुशी से यह कहना कि आज तो पेट फटने को हो गया या आज तो बहुत स्वाद खाना था सुनते ही दिल खुश हो जाता है। उड़ान न जाने कितने लोगो के सपने पूरे करेगा और सबसे अच्छी बात यह है कि सपने सिर्फ बच्चों के ही नही बल्कि खुशी फैलाते कमल सचदेवा जैसे लोगो भी पूरे होगें।

प्रसून गुप्ता

Crazy Green Core Group

- Ajay Singhal
- Nitin Sharma
- Arimardan S. Gaur
- Lalit Saini
- Aditya Mourya
- Rajat Goyal
- Sandip Jand
- Mukul Mittal
- Prateek M. Tripathi
- Madhvi Singhal
- Sanjay Agarwal
- Shorit Sharma

Working Committee Udaan

- Ajay Singhal
- Amal Garg
- Sanjay Nagpal
- Nitin Sharma
- Lalit Saini
- Aditya Mourya
- Mukul Mittal
- Madhvi Singhal
- Shorit Sharma
- Arimardan S. Gaur
- Ashok Kumar
- Prasoon Gupta
- Sarthak Dhamija
- Kuldeep Dhamija
- Sandeep Sharma

Crazy Green Young Brigade

- Divya Bajaj
- Srishti Jain
- Sunil Kumar
- Abhinav Kannojia
- Anurag Seth
- Ajay Gulati
- Aditya Arora
- Sarthak Dhamija
- Sakshi Bathla
- Anchit Makkar
- Simranjeet Dheer
- Ajay Mittal
- Siddharth Arora
- Arnav Sharma
- Rahul Gupta
- Anupam Madaan
- Kavita Karanwal
- Vipul Banga
- Khushi Singhal
- Tushar Saini
- Gaurav Arora
- Kushan Luthra
- Aseem Arora
- Gaurav Kumar
- Ankit Gulati
- Upanshu Kochar
- Pankhuri Singhal
- Shivendre Miglani

Team 30 For Udaan Dispensary

- Dr. Rajesh Sharma
- CA Arvind Agarwal
- Sanjay Nagpal
- Dr. Seema Agarwal
- Namita Singhal
- Mandip Singh
- Ashwani Chhabra
- Neelima Singhal
- Ashwani Sharma
- Pulkit Jain
- Sheel Airon
- Meenakshi Kapoor
- Manuj Wadhera
- Anoop Vaish
- Nagesh Gupta
- Mayank Aggarwal
- Hitesh Garg
- Kuldeep Dhamija
- Rajneesh Gupta
- Gaurav Dang
- Vikas Kumar
- Ajay Agarwal
- Vikram Chawla
- Gopal Kapil
- Baldev Raj Nagpal
- Om Prakash Narula
- Sanjay Dhingra
- Nilesh Gupta
- Pravesh Bansal

Special Thanks 2015

Paramjeet Kaur
Anand Garg
Pramod Agarwal
Sanjay Agarwal
Mohd. Abid
Kamal Sachdeva
Sapan Bhartari
Umesh Bhateja
Mohit Gulati
Sunil Trivedi

Deepak Malhotra
Sanjeev Sharma
Dr. Sudheer Aggarwal
Rama Gupta
Ranjan Gupta
Mohan Kumar, Parmarth Niketan
Rajeev Singhal, Chilkana
Dr. S. D. Sharma
Ajay Agarwal, Dhanbad

Yoga / Art of Living
Sheel Airon, Shalabh Aggarwal
Dance / Theater
Ranjna Neb, Sohan Dev, Kinjal Dev, Sandeep Sharma, SPICMACAY
Judo
Deepak Kumar Gupta, Rahul
Media / Legal / Construction
Abhinav Kannojia

Priting / Newsletter
Anurag Seth, The Design Studios, Manish Kachchal
Interior Designing / Event Planing
Srishti Jain
Waste Management
Muskan Jyoti Samiti
Health / Medical
Dr. S.D. Sharma, Eye Q Hospital

Senior doctors panel for Udaan Dispensary

• Dr. Sudhir Agarwal • Dr. Seema Agarwal • Dr. Rajesh Sharma • Dr. Anupam Malik • Dr. Anant Agarwal • Dr. R.N. Choudhary

CONTACT

उड़ान बाल एवं प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र
UDAAN CHARITABLE DISPENSARY

Add. Link Road, Saharanpur - 247001 (U.P.), Mobile: +91-9634200601, +91-8449000600
Website: www.panchtatva.in, Blog: Antarmann, Email: udaangivingwings@gmail.com, info@panchtatva.in
find us on f
Registered Office (Crazygreen): 64, Bhagwati Colony, Behat Road, Saharanpur